

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

33 फीसदी आरक्षण रोकने वालों को करारा जवाब देगी मातृ शक्ति

यूथ पार्लियामेंट में सीएम बोले-प्रदेश के युवा राजनीति में भी आगे आएँ

डॉ. मोहन यादव ने कहा, नीति-निर्माण और कृषि क्षेत्र में भी सहभागी बनें

भोपाल। राजधानी में गुरुवार को आयोजित 'संसद यूथ पार्लियामेंट 2.0' में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने युवाओं से लोकतंत्र, संसदीय परंपराओं और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। विधानसभा सभागार में देशभर से आए युवा प्रतिनिधियों को मौजूदगी को उन्होंने 'मिनी इंडिया' का स्वरूप बताया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर भी मौजूद रहे। मध्य प्रदेश के अलावा दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों के 58 से अधिक शहरों और कस्बों से युवा प्रतिनिधि शामिल हुए। विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों



के साथ एनएसएस, एनसीसी, युवा संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भी संसदीय प्रक्रिया और नीति-निर्माण पर चर्चा की।

सीएम ने कहा-युवाओं की भागीदारी जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की युवा आबादी देश की सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं को केवल डॉक्टर, इंजीनियर या वकील बनने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि राजनीति, नीति-निर्माण और कृषि जैसे क्षेत्रों में भी आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए नई पीढ़ी का लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़ना जरूरी है।

यूसीसी को बताया सामूहिक सहभागिता का उदाहरण

मुख्यमंत्री ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का जिक्र करते हुए कहा कि कानून बनाने से पहले सरकार ने विभिन्न वर्गों, धर्मों के प्रतिनिधियों, विशेषज्ञों और आम लोगों से सुझाव लिए। उनके अनुसार इस प्रक्रिया में साढ़े तीन करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचकर सुझाव लिए गए और 76 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम महिलाओं ने यूसीसी का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास' को केवल नारे तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि इसे व्यवहार में उतारना जरूरी है। डॉ. यादव ने अयोध्या मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि लोकतंत्र में न्यायपालिका के फैसले का सम्मान करना चाहिए।

पूर्व डिप्टी सीएम पर नांदेड़ में हमला

नांदेड़ (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व डेप्युटी सुखबीर सिंह बादल पर नांदेड़ में जानलेवा हमला हुआ है। उन पर हमला सचखंड गुरुद्वार के पास हुआ है। इसमें उनके एक सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। मौके पर सुरक्षा बल के जवान पहुंच गए हैं। अभी हमले की वजह सामने नहीं आई है। बताया जा रहा है कि सुखबीर सिंह बादल को अस्पताल ले जाया गया है। साथ ही उनके घायल सुरक्षाकर्मी को भी ले जाया गया है। महाराष्ट्र के नांदेड़ में शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल पर हमला हुआ। निहंजों के हमले में घायल अकाली नेता को हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। सुखबीर बादल परिवार के साथ नांदेड़ में माता साहेब गुरुद्वारा दर्शन के लिए गए थे। बताया जा रहा है कि उन पर चाकू से हमला हुआ है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है।



बांग्लादेश की छाती के पास से दौड़ेगी भारतीय रेल

चिकन नेक कॉरिडोर में रेलवे कई प्रोजेक्ट पर काम

चिकन नेक कॉरिडोर से चौथी रेलवे लाइन को भी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने सामरिक रूप से महत्वपूर्ण पूर्वी भारत के चिकन नेक कॉरिडोर से होकर चौथी रेलवे लाइन को भी मंजूरी दे दी है। चिकन नेक या सिलीगुड़ी कॉरिडोर पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाला एकमात्र जमीनी रास्ता है। नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर रेलवे के जनरल मैनेजर चेतन कुमार श्रीवास्तव ने बिहार के कटिहार में इस बात की अहमियत दी कि मालदा-न्यू



जलपाईगुड़ी सेक्शन पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी भाग से जोड़ने वाला इकलौता और महत्वपूर्ण हिस्सा है। बुधवार रात को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में

जीएम ने कहा, इस सेक्शन (चिकन नेक कॉरिडोर) के लिए पहले तीसरी लाइन के लिए प्रस्ताव था, लेकिन अब चौथी लाइन भी मंजूर हुई है।

कटिहार डिवीजन के लिए रेलवे की कई घोषणाएं

कटिहार डिवीजन के बारे में उनका कहना है कि 42 नई ट्रेनें शुरू की गई हैं और यात्रियों की सुविधा के लिए करीब 250 नए स्टॉपेज बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के जो विकास का काम चल रहा है, वह 2027 के अप्रैल तक पूरा कर लिया जाएगा। उनके अनुसार, जोगबनी, राधिकापुर और बालुरघाट से नई लोकल ट्रेन सेवाएं जल्द शुरू करने की कोशिशें भी जारी हैं। इससे सीमावर्ती और दूर-दराज इलाकों से कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

आखिरी दिन लोकसभा एक मिनट, राज्यसभा 1 घंटे चली

संसद का मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए हुआ स्थगित

मोदी-शाह और राहुल सदन में मौजूद रहे, विपक्ष का हंगामा



नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मानसून सत्र गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। आखिरी दिन लोकसभा की कार्यवाही सिर्फ 1 मिनट चली, जबकि राज्यसभा करीब 1 घंटे चली। लोकसभा में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पूरी कैबिनेट और विपक्ष के नेता राहुल गांधी मौजूद रहे। स्पीकर ओम बिड़ला ने वंदे मातरम गान के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी। वहीं, राज्यसभा में आखिरी दिन एमएमडीआर संशोधन बिल पास हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उनके कार्यक्रम के बाद शुद्धिकरण का मुद्दा उठाया।

मानसून सत्र में 12 नए बिल पेश, 11 दोनों सदनों में पास

2026 के मानसून सत्र में कुल 12 नए बिल पेश किए गए। इनमें 10 लोकसभा और 2 राज्यसभा में पेश हुए। लोकसभा में आए बिल टैक्स, बैंकिंग, खनन, ट्रिब्यूनल, जन्म-मृत्यु पंजीकरण, परीक्षा में नकल रोकने, केरल का नाम बदलने और सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या जैसे मुद्दों से जुड़े हैं। माईस एंड मिनरल्स संशोधन बिल के राज्यसभा से पास होने के बाद अब 12 में से 11 बिल दोनों सदनों से पास हो चुके हैं। केवल भारतीय सांख्यिकी संस्थान बिल अभी दोनों सदनों से पास नहीं हुआ है।

टाटा संस में चंद्रशेखरन की जगह ले सकते हैं नरेंद्रन

चेयरमैन की रेस में टाटा स्टील के एमडी सबसे आगे



सिलेक्शन कमेटी गठित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस पद की रेस में टाटा स्टील के मैनेजिंग डायरेक्टर टीवी नरेंद्रन का नाम सबसे आगे है।

मुंबई (एजेंसी)। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के अचानक इस्तीफे के बाद नए उत्तराधिकारी की तलाश शुरू हो गई है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट ने आज 13 अगस्त को एक प्रस्ताव पास कर 5 सदस्यीय

आय से अधिक संपत्ति के आरोप की सीबीआई-ईडी जांच के निर्देश का है मामला

हाईकोर्ट के आदेश को राहुल गांधी ने दी 'सुप्रीम' चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोपों की जांच के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को दिए गए निर्देशों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। राहुल गांधी ने मामले को इलाहाबाद हाईकोर्ट से दिल्ली हाईकोर्ट स्थानांतरित करने की मांग करते हुए अलग से ट्रांसफर याचिका भी दाखिल की है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ इन पर 17 अगस्त को सुनवाई करेगी।



सीबीआई की रिपोर्ट पर हाईकोर्ट ने जताई थी नाराजगी

हाईकोर्ट ने दोनों केंद्रीय जांच एजेंसियों को मामले की प्रगति से अदालत को अवगत कराने का निर्देश दिया था। इसके बाद 20 जुलाई को हुई सुनवाई में अदालत ने सीबीआई के हलफनामे पर असंतोष जताया और कहा कि यह उसके पहले दिए गए निर्देशों के अनुरूप नहीं है। दूसरी ओर, अदालत ने कहा कि ईडी ने आवश्यक कदम उठाए हैं। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि जांच के दौरान यदि ईडी को कोई सूचना प्राप्त होती है तो वह कार्रवाई करती है।

सुप्रीम कोर्ट से मामले को दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग

राहुल गांधी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेशों को चुनौती देने के साथ-साथ अलग ट्रांसफर याचिका भी दाखिल की है। इसमें उन्होंने मामले को इलाहाबाद हाईकोर्ट से दिल्ली हाईकोर्ट स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है। अब सुप्रीम कोर्ट के सामने मुख्य सवाल यह होगा कि शिकायत के आधार पर केंद्रीय जांच एजेंसियों को आरोपों के सत्यापन के लिए दिए गए हाईकोर्ट के निर्देशों की कानूनी वैधता क्या है देखा जाएगा।

एफसीआरए और कुछ गंभीर सवाल: कानून सबसे ऊपर, लेकिन राष्ट्रीय हित की कसौटी भी साफ हो

रणजीत टाइम्स

info@ranjeettimes.com

विदेशी अंशदान नियमन कानून यानी एफसीआरए पर बहस को केवल सरकार बनाम विपक्ष या सत्ता बनाम गैर-सरकारी संगठनों के चश्मे से देखना गंभीर भूल होगी। असली सवाल इससे कहीं बड़ा है—क्या भारत की नीतियों, संस्थाओं और सामाजिक व्यवस्था पर विदेशी धन के माध्यम से किसी बाहरी प्रभाव को बढ़ने से रोकना राष्ट्रीय हित है? निस्संदेह है। लेकिन इसके साथ दूसरा सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है—क्या राष्ट्रीय हित के नाम पर हर विदेशी सहायता को संदेह की निगाह से देखना उचित होगा? भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में विदेशी धन का प्रवेश कोई नई घटना नहीं है। एफसीआरए की मूल व्यवस्था 1970 के दशक में अस्तित्व में आई थी। यानी विदेशी अंशदान की निगरानी का विचार किसी एक सरकार की देन नहीं, बल्कि लंबे समय से राष्ट्रीय नीति का हिस्सा रहा है। समय के साथ कानून बदला, नियम कड़े हुए और सरकारों ने विदेशी फंडिंग से जुड़े संगठनों पर निगरानी बढ़ाई। यहां सरकार का तर्क समझना कठिन नहीं है।

यदि कोई संगठन विदेश से धन प्राप्त करता है और उसी धन का इस्तेमाल भारत की राजनीतिक प्रक्रिया, सामाजिक तनाव, रणनीतिक हितों या नीतिगत निर्णयों को प्रभावित करने के लिए होता है, तो राज्य को सवाल पूछने का पूरा अधिकार है। लोकतंत्र में आर्थिक पारदर्शिता केवल सरकारों से नहीं, गैर-सरकारी संस्थाओं और अन्य प्रभावशाली संगठनों से भी अपेक्षित होनी चाहिए।

लेकिन कानून की शक्ति के साथ उसकी निष्पक्षता की जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। एफसीआरए की कार्रवाई यदि ठोस वित्तीय अनियमितता, धन के दुरुपयोग या घोषित उद्देश्य से अलग गतिविधियों के प्रमाण पर आधारित है, तो उसका स्वागत होना चाहिए। मगर यदि किसी संस्था की आवाज

सरकार की आलोचना करती है और केवल इस आधार पर उस पर संदेह किया जाने लगे, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए असहज स्थिति पैदा कर सकता है।

राष्ट्रीय सुरक्षा और असहमति—इन दोनों को एक ही तराजू में तौलना खतरनाक है।

देशहित का अर्थ यह नहीं कि सरकार से कोई सवाल न पूछा जाए। और सरकार की आलोचना का अर्थ यह भी नहीं कि आलोचक राष्ट्रविरोधी है। लोकतंत्र की मजबूती इसी संतुलन में है कि विदेशी प्रभाव पर कठोर निगरानी हो, लेकिन वैध असहमति और स्वतंत्र सामाजिक गतिविधियों के लिए लोकतांत्रिक स्थान भी सुरक्षित रहे। आज जरूरत एफसीआरए को कमजोर करने की नहीं, बल्कि उसकी प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी बनाने की है। किस संस्था पर कार्रवाई हुई, किस नियम का उल्लंघन हुआ, कितनी राशि का संदिग्ध उपयोग हुआ और जांच में कौन से दस्तावेज सामने आए—इन सवालों के स्पष्ट उत्तर सार्वजनिक होने चाहिए।

कानून सबके लिए समान हो—यही सबसे बड़ी कसौटी है। विदेशी धन यदि भारत की संप्रभुता, नीति या सामाजिक स्थिरता को प्रभावित करने का माध्यम बन रहा है तो उस पर रोक जरूरी है। लेकिन यदि कोई संस्था कानून का पालन करते हुए वैध सामाजिक, शैक्षणिक, मानवीय या विकास संबंधी काम कर रही है, तो केवल विदेशी स्रोत से धन मिलने के कारण उसे कटघरे में खड़ा करना भी उचित नहीं होगा। एफसीआरए की बहस आखिरकार विदेशी धन की नहीं, भारत की लोकतांत्रिक आत्मनिर्भरता और संस्थागत पारदर्शिता की बहस है।

राष्ट्रीय हित सर्वोच्च है— इस पर कोई विवाद नहीं होना चाहिए। लेकिन राष्ट्रीय हित की परिभाषा भी कानून, संविधान, पारदर्शिता और समानता की कसौटी पर ही तय होनी चाहिए। क्योंकि मजबूत राष्ट्र वह नहीं जहां सवाल पूछने की जगह खत्म हो जाए; मजबूत राष्ट्र वह है जहां विदेशी प्रभाव पर पहरा भी हो और लोकतांत्रिक सवाल पूछने का अधिकार भी सुरक्षित रहे।

सुबह 6 बजे धरती कांपी, 5.5 की तीव्रता से दहला लेह-लद्दाख; 10 किमी गहराई में था केंद्र



रणजीत टाइम्स

info@ranjeettimes.com

गुरुवार की सुबह लेह-लद्दाख के लोगों की नींद तेज भूकंपीय झटकों से खुली। सुबह 6 बजकर 5 मिनट पर 5.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र लेह क्षेत्र में था और इसकी गहराई महज 10 किलोमीटर रही। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के आंकड़ों के मुताबिक भूकंप का स्थान 36.881 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 74.402 डिग्री पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। कम गहराई पर आया भूकंप होने के कारण आसपास के इलाकों में झटके अपेक्षाकृत तेज महसूस किए गए। भूकंप के बाद कुछ समय के लिए लोगों में अफरा-तफरी की स्थिति बनी, लेकिन शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार अब तक किसी जनहानि या बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। प्रशासन और संबंधित एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। लद्दाख हिमालयी क्षेत्र में स्थित होने के कारण भूकंपीय गतिविधियों के लिहाज से संवेदनशील इलाकों में आता है। ऐसे में 5.5 तीव्रता का भूकंप स्थानीय स्तर पर चिंता बढ़ाने वाला जरूर है, खासकर जब उसका केंद्र सतह से सिर्फ 10 किलोमीटर नीचे हो। फिलहाल सबसे बड़ी राहत यही है कि शुरुआती जानकारी में किसी बड़े नुकसान की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि भूकंप के बाद किसी भी संभावित झटके को लेकर प्रशासन की निगरानी महत्वपूर्ण रहेगी। धरती का यह झटका सिर्फ कुछ सेकंड का था, लेकिन पहाड़ों में इसकी गूंज ने एक बार फिर भूकंप के खतरे की याद दिला दी।

आखिरी नहीं, अब भारत का पहला गांव! जहां चट्टानों को चीरकर गरजती है सरस्वती,

माणा की कहानी है रहस्य और रोमांच से भरी

रणजीत टाइम्स

info@ranjeettimes.com

उत्तराखंड के चमोली जिले में बद्रीनाथ धाम से करीब 3 किलोमीटर आगे बसा माणा कभी भारत का 'आखिरी गांव' कहलाता था। अब इसकी पहचान बदल चुकी है और इसे 'भारत का पहला गांव' कहा जाता है। सीमा से लगे इस हिमालयी गांव की ऊंचाई करीब 3,200 मीटर है और यहां भोटिया समुदाय की पारंपरिक संस्कृति आज भी दिखाई देती है। माणा की सबसे बड़ी



खासियत यहां दिखाई देने वाली सरस्वती नदी है। चट्टानी दरारों के बीच तेज वेग से बहती सरस्वती आगे अलकनंदा में मिलती है। इस संगम को केशव प्रयाग कहा जाता है। नदी का रौद्र प्रवाह और उसके ऊपर बना प्राकृतिक पथर का 'भीम पुल' पर्यटकों के लिए बड़ा आकर्षण है। गांव में व्यास गुफा और गणेश गुफा भी हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार व्यास गुफा में वेदव्यास ने महाभारत का कथन किया और भगवान गणेश ने उसे लिखा। इसी क्षेत्र से पांडवों की स्वर्गारोहण

यात्रा जुड़ी होने की मान्यता भी है।

माणा पहुंचने वाले पर्यटकों के लिए यहां का प्रसिद्ध चाय का ठिकाना भी आकर्षण है, जिसे पर्यटन विभाग 'लास्ट इंडियन टी स्टॉल' के रूप में उल्लेख करता है। वासुधारा जलप्रपात और हिमालयी रास्ते इसे रोमांच पसंद करने वालों के लिए खास बनाते हैं। यानी माणा सिर्फ सीमा का गांव नहीं—यह प्रकृति, पौराणिक कथाओं और हिमालयी संस्कृति का ऐसा संगम है, जहां हर मोड़ एक नई कहानी सुनाता है।

जहां जंगल की राहों पर दिखते हैं हाथियों के झुंड, भारत की इस जगह को कहते हैं 'हाथियों का घर'

रणजीत टाइम्स

info@ranjeettimes.com

जंगल में अचानक सामने आता हाथियों का झुंड किसी भी वन्यजीव प्रेमी के लिए यादगार अनुभव हो सकता है। भारत में कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां एशियाई हाथियों की बड़ी आबादी रहती है और प्राकृतिक वातावरण में इन्हें देखने का अवसर मिलता है। इनमें केरल का वायनाड खास आकर्षण रखता है। वायनाड

के जंगल पश्चिमी घाट के समृद्ध वन क्षेत्र का हिस्सा हैं। यहां हाथियों के अलावा बाघ, तेंदुआ, हिरण, गौर और कई तरह के पक्षी भी पाए जाते हैं। आसपास के जंगल और वन्यजीव अभयारण्य हाथियों के प्राकृतिक आवास के लिए



महत्वपूर्ण माने जाते हैं। अगर आप वायनाड घूमने की योजना बना रहे हैं तो सड़क मार्ग से पहुंचना आसान है। निकटतम प्रमुख हवाई अड्डों में कोझिकोड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा शामिल है, जबकि रेल से आने वाले यात्री कोझिकोड तक पहुंचकर आगे

सड़क मार्ग से वायनाड जा सकते हैं। हाथियों को देखने का सबसे अच्छा मौका वन क्षेत्र में सफारी या अधिकृत वन्यजीव पर्यटन गतिविधियों के दौरान मिल सकता है। हालांकि जंगल में वन्यजीवों की मौजूदगी निश्चित नहीं होती और हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखना बेहद जरूरी है। हाथियों को करीब से देखना रोमांचक जरूर है, लेकिन उनके जंगल को सुरक्षित रखना ही असली जिम्मेदारी है।

बुरहानपुर में सीएससी वीएलई की एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

डिजिटल सेवाओं के विस्तार और आय बढ़ाने पर दिया जोर, जिलेभर से 140 वीएलई हुए शामिल

महेन्द्र मालवीय रणजीत टाईम्स

बुरहानपुर । डिजिटल इंडिया के संकल्प को सशक्त बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को बुरहानपुर में कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) के विलेज लेवल एंटरप्रेन्योर्स (VLE) के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में जिलेभर से करीब 140 वीएलई ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यशाला में सीएससी राज्य प्रमुख अतुलित राय, राज्य समन्वयक आशीष द्विवेदी, सागर गुप्ता एवं सिद्धार्थ सिंहा ने वीएलई को डिजिटल सेवाओं के प्रभावी संचालन एवं विस्तार के संबंध में मार्गदर्शन दिया।

अधिकारियों ने आयुष्मान कार्ड, पैन कार्ड, ई-श्रम पंजीयन, बैंकिंग बीसी सेवाएं, डिजीपे, बीमा सेवाएं, पीएमजी दिशा और बिजली बिल भुगतान सहित विभिन्न सेवाओं के बेहतर क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया।



ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाओं को पहुंचाने पर जोर- विशेषज्ञों ने कहा कि सीएससी के माध्यम से सरकारी एवं विभिन्न डिजिटल सेवाओं को आमजन तक सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक

तरीके से पहुंचाया जा सकता है। इससे ग्रामीण नागरिकों को अपने ही क्षेत्र में आवश्यक सेवाएं उपलब्ध होने के साथ वीएलई के लिए आय के नए अवसर भी विकसित होते हैं। कार्यशाला में वीएलई

को नई तकनीकों, डिजिटल प्रक्रियाओं और विभिन्न सेवाओं की जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदाता बनने के लिए प्रेरित किया गया।

त्वरित और पारदर्शी सेवा देने का संदेश- अधिकारियों ने वीएलई से ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सीएससी केंद्र डिजिटल सेवाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कार्यशाला के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें वीएलई ने अपनी जिज्ञासाओं एवं समस्याओं से संबंधित सवाल पूछे। अधिकारियों ने उनका समाधान बताते हुए आवश्यक मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत 14 अगस्त को निकलेगी भव्य तिरंगा रैली

फॉरेस्टर प्ले ग्राउंड से प्रातः 9:30 बजे होगा शुभारंभ, शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी रैली

तिरंगा रैली की व्यवस्थाओं को लेकर निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार की अध्यक्षता में सामूहिक बैठक संपन्न कटनी। राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिला प्रशासन कटनी द्वारा 14 अगस्त को भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया जाएगा। रैली का शुभारंभ प्रातः 9:30 बजे फॉरेस्टर प्ले ग्राउंड से होगा। रैली में जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों, एनसीसी, एनएसएस, छात्र-छात्राओं, सामाजिक संगठनों, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रहेगी। तिरंगा रैली के सफल एवं व्यवस्थित आयोजन को लेकर नगर निगम कार्यालय में निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की सामूहिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में रैली की तैयारियों, निर्धारित मार्ग तथा नागरिकों की सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दायित्व सौंपे गए। सुरक्षा, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं पर रहेगा विशेष फोकस- बैठक में रैली के दौरान साफ-सफाई, अतिक्रमण हटाने, यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा सुविधा, स्वागत स्टॉल तथा पर्याप्त संख्या में राष्ट्रीय ध्वज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। रैली मार्ग को व्यवस्थित एवं स्वच्छ रखने के साथ ही यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए भी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। निगमायुक्त सुश्री परिहार ने रैली में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने तथा सभी संबंधित विभागों एवं संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय के साथ व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि

तिरंगा रैली राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता का भव्य संदेश देने वाला आयोजन बन सके।

यह रहेगा तिरंगा रैली का रूट- तिरंगा रैली फॉरेस्टर प्ले ग्राउंड से प्रारंभ होकर गांधी द्वार, जैन मंदिर, खेर माता मंदिर, सराफा बाजार, कपड़ा बाजार, सुभाष चौक होते हुए मोहन टॉकीज रोड से पुनः फॉरेस्टर प्ले ग्राउंड पहुंचेगी, जहां रैली का समापन होगा। रैली के दौरान शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, राष्ट्र की एकता और देशभक्ति की भावना से जुड़ने का संदेश दिया जाएगा।

निगमायुक्त ने की अधिक से अधिक सहभागिता की अपील- निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने नगरवासियों से हर घर तिरंगा अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने तथा 14 अगस्त को आयोजित तिरंगा रैली में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगा रैली में सहभागिता केवल एक आयोजन का हिस्सा बनना नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान, एकता और गौरव की सामूहिक अभिव्यक्ति है। उन्होंने नागरिकों से अपने घरों पर तिरंगा फहराकर स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय उत्सव को उत्साह एवं गौरव के साथ मनाने का आह्वान किया।

इनकी रही मौजूदगी- बैठक में एसडीएम कटनी प्रमोद चतुर्वेदी, कोतवाली टी आई राखी पांडे, डीएसपी हेडक्वार्टर रतनेश मिश्रा, यातायात प्रभारी अनूप सिंह, सहायक संचालक राजेश अग्रहरि, प्राचार्य तिलक कॉलेज सुनील बाजपेयी, जनपद पंचायत सीईओ प्रदीप सिंह, तहसीलदार कटनी, नगर निगम उपायुक्त शैलेश गुप्ता, प्रियंका झारिया, कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा, सहायक यंत्री आदेश जैन, स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी, अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कटनी वन मंडल में इस वर्ष 47 स्थलों पर हुआ पौधरोपण, साढ़े ग्यारह लाख पौधे रोपे गए

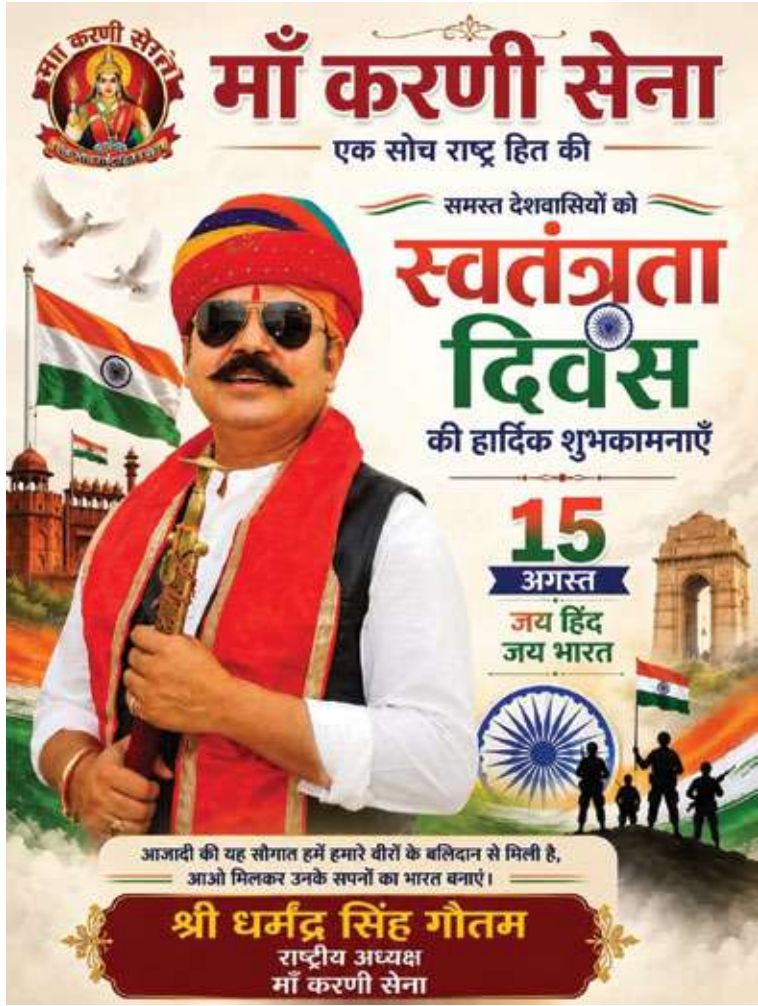
नवाचारी तकनीकों से पौधरोपण को दिया वैज्ञानिक स्वरूप, पारिस्थितिक और आर्थिक लाभ दोनों पर जोर

कटनी। कटनी वन मंडल इकाई ने पौधरोपण सीजन में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वन क्षेत्रों के अंतर्गत कुल 47 स्थलों का चयन कर वहाँ लगभग 11.5 लाख पौधे रोपे गए हैं। इस वर्ष वन विभाग ने पौधरोपण कार्य को केवल संख्या तक सीमित न रखते हुए इसे वैज्ञानिक और सतत तरीके से संपन्न कराने पर विशेष ध्यान दिया। विभिन्न स्थलों पर कुल 50 कम्पोस्ट गड्डे तैयार किए गए, जिनमें वन भूमि की जैविक सामग्री, गोबर स्लरी और ऊपरी मिट्टी के मिश्रण से जैविक खाद तैयार की गई। इसके साथ ही जीवामृत निर्माण भी स्थल पर ही किया गया और अब तक कुल 9,400 लीटर जीवामृत तैयार कर पौधों में उपयोग किया जा चुका है, जिससे पौधों को प्राकृतिक पोषण मिलेगा और मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी। यह कदम रासायनिक खादों पर निर्भरता घटाकर लागत में बचत के साथ-साथ मिट्टी के सूक्ष्मजीवी तंत्र को भी सुदृढ़ करता है। पारदर्शिता और निगरानी के लिए सभी स्थलों की ड्रोन फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कराई गई, जिससे कार्य की गुणवत्ता और प्रगति का सटीक आकलन संभव हो सका। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक

महत्वपूर्ण पहल करते हुए उपयोग की गई सभी पॉलीबैग्स को सुरक्षित निपटान हेतु एकत्र किया गया, जिससे प्लास्टिक प्रदूषण रोकने में मदद मिलेगी। बाड़ के किनारे कुल 32,500 बांस तथा 2,500 सलई स्टम्प रोपकर हरित बाड़ (ग्रीन फेंसिंग) तैयार की गई, जो न केवल सुरक्षा प्रदान करती है बल्कि भविष्य में स्थानीय समुदाय के लिए आर्थिक उपयोगिता भी रखती है। जल संरक्षण हेतु कुल 55 ब्रशवुड चेक डैम बनाए गए, जिनसे वर्षा जल का संचयन होगा और भू-जल स्तर में सुधार होगा। उल्लेखनीय है कि वन क्षेत्रों से ही लगभग 600 किलोग्राम



बीज एकत्र कर उन्हीं स्थलों पर रोपण किया गया। संग्रहित प्रजातियों में नीम, आंवला, करंज, अमलतास, इमली, हरी, सीताफल एवं महुआ जैसी बहुउपयोगी प्रजातियाँ शामिल हैं, जिससे स्थानीय जैव विविधता एवं वन उपज दोनों को बढ़ावा मिलेगा। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इन समग्र प्रयासों से जैव विविधता संवर्धन, जल संरक्षण एवं ग्रामीण आजीविका को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा।



सहज ध्यान योग: चिकित्सा विज्ञान के साथ समग्र स्वास्थ्य की ओर एक कदम

चिकित्सा विज्ञान की अनुषंगी सहज ध्यान योग से हमारा तात्पर्य यह है कि यदि आधुनिक चिकित्सा के साथ ध्यान योग को पूरक चिकित्सा पद्धति के रूप में अपनाया जाय तो यह तनाव कम करने, मानसिक स्वास्थ्य सुधारने, प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत करने और हृदय रोगों व पाचन समस्याओं जैसी स्थितियों में लाभकारी हो सकता है। सहज ध्यान योग से शारीरिक और मानसिक संतुलन स्थापित होता है, और यह निवारक, सहायक और पुनर्वास चिकित्सा का एक प्रभावी साधन सिद्ध होता है। बीमारियाँ मन से गहराई से जुड़ी होती हैं, क्योंकि तनाव शारीरिक बीमारियों का कारण बनती है और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। मानसिक स्थितियाँ (जैसे डिप्रेशन, चिंता) शरीर को कमजोर कर सकती हैं, जिससे दर्द, थकान और अन्य शारीरिक लक्षण दिखते हैं। यह एक दोतरफा रिश्ता है जहाँ मन और शरीर एक-दूसरे पर गहरा असर डालते हैं, जैसे थायरॉयड की समस्या डिप्रेशन का कारण बन सकती है, और तनाव हृदय रोगों को बढ़ा सकता है।

सहज योग की तकनीक में आत्मसाक्षात्कार की प्रक्रिया से गुजरते ही सुषुम्ना नाड़ी में सोई हुई कुंडलिनी शक्ति जागृत होकर मध्य नाड़ी यानि सुषुम्ना से ऊपर उठती है और सिर के ऊपर सहस्रार चक्र का भेदन करती है, जिससे साधक ब्रह्मांडीय ऊर्जा से जुड़ जाता है। चक्रों के जागृति से उसके अंदर स्वयं को देखने वाली दृष्टि आ जाती है जिससे वह अपने शारीरिक व मानसिक दोषों



को देखकर उसे दूर करने की योग्यता पा लेता है। वैसे मामूली बीमारियों के लिए सिर्फ ध्यान योग ही काफी हो सकता है, लेकिन गंभीर या उन्नत अवस्था के रोगों में यह एकमात्र उपचार के रूप में पर्याप्त नहीं होता और इसे अन्य एलोपैथिक उपचारों के साथ पूरक (supplementary) के रूप में उपयोग किया जा सकता है। सहज ध्यान योग की तकनीक में साधक अपने चारों ओर फैले ईश्वरीय चैतन्य से एकाकारिता पा लेता

है और दूसरे व्यक्ति की शारीरिक मानसिक समस्या तक अपने चैतन्य को प्रसारित कर उसकी सहायता करने में समर्थ हो जाता है। यदि चिकित्सक और मरीज दोनों ही सहज योग प्रक्रिया से ध्यान करें तो रोग के सुधार में बेहतरीन रिजल्ट आयेगे। जिस प्रकार डॉक्टर मरीज को स्टेथोस्कोप से चेक करते हैं वैसे सहज ध्यान से व्यक्ति के किस चक्र में समस्या है, ध्यानावस्था में उसका आभास हाथों की उंगलियों के पोर पर कर लेता है।

राष्ट्रीय तैराकी में कोरबा के गौरव राज ने जीता कांस्य पदक

कोरबा 100 मीटर बैकस्ट्रोक में शानदार प्रदर्शन, राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ और जिला कोरबा का मान बढ़ाया है। राजस्थान के जयपुर में 6 से 9 अगस्त 2026 तक आयोजित राष्ट्रीय सब-जूनियर तैराकी प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के प्रतिभावान तैराक गौरव राज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीतकर प्रदेश एवं कोरबा जिले को गौरवान्वित किया है। गौरव राज ने बालक वर्ग ग्रुप-3 के 100 मीटर बैकस्ट्रोक मुकाबले में 01 मिनट 17.94 सेकंड का उत्कृष्ट समय निकालते हुए राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक अपने नाम किया।

कोरबा के गौरव राज वर्तमान में बालको द्वारा संचालित आवासीय खेल अकादमी में नियमित रूप से तैराकी का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उनकी इस राष्ट्रीय उपलब्धि के पीछे निरंतर अभ्यास, अनुशासन और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हेड कोच श्री गुलशन सिंह राजपूत तथा सहायक



कोच श्री रुपिन राज, श्री विजेंद्र पाल एवं सुश्री स्मिता स्वाई ने गौरव की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि गौरव ने अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए लगातार कड़ी मेहनत की है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मिला यह कांस्य पदक उसी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। प्रशिक्षकों ने विश्वास जताया कि गौरव आने वाले समय में अपने प्रदर्शन

को और बेहतर करते हुए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ और कोरबा का नाम रोशन करने में सफल होंगे। गौरव की इस उपलब्धि से खेल प्रेमियों एवं तैराकी से जुड़े खिलाड़ियों में हर्ष का माहौल है। उनकी सफलता ने जिले के अन्य युवा खिलाड़ियों को भी राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है।

विद्यालय निरीक्षण में लापरवाही पर चार शिक्षकों पर कार्रवाई, डीईओ ने किए वेतनवृद्धि रोकने के आदेश

हेमंत भार्गव

करेरा। जिला कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देशन में जिलेभर के शासकीय विद्यालयों में चलाए जा रहे सघन निरीक्षण अभियान के तहत लापरवाही पाए जाने पर चार शिक्षकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जुलाई को शिक्षा विभाग की संयुक्त टीम द्वारा शासकीय प्राथमिक विद्यालय बम्हारी का आकस्मिक निरीक्षण किया गया था, निरीक्षण के दौरान शिक्षकों की अनुपस्थिति एवं विद्यालय में अनियमितताओं के

चलते नोटिस दिए गए थे। जिला शिक्षा अधिकारी आकाश सिंह यादव ने बम्हारी में पदस्थ प्राथमिक शिक्षक प्रभारी रामकिशन लोधी सहित प्राथमिक शिक्षक शैलेंद्र सिंह यादव, रमेश जाटव एवं श्रीमती हेमलता शंखवार, के विरुद्ध विद्यालयीन कार्यों में लापरवाही के मामले में विभागीय कार्रवाई करते हुए प्रभारी की दो वेतन वृद्धि एवं अन्य शिक्षकों की एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोके जाने की लघु शास्ति अधिरोपित की है।



बाइपोलर के इलाज में बड़ा बदलाव! सेकंडों में दिखेगी कौन-सी दवा कितनी असरदार-लेकिन फैसला डॉक्टर का ही

रंजीत टाइम्स

info@ranjeettimes.com

बाइपोलर डिसऑर्डर के इलाज में सही दवा चुनना आसान नहीं होता। अलग-अलग मरीजों में दवाओं का असर और दुष्प्रभाव अलग हो सकते हैं। इसी चुनौती के बीच शोधकर्ताओं ने ऐसा ऑनलाइन मंच विकसित किया है, जो बाइपोलर डिसऑर्डर के उपचार से जुड़े उपलब्ध शोधों को एक जगह समेटकर डॉक्टरों और मरीजों के लिए समझना आसान बनाता है।

इसे यू-रीच ढांचे के तहत तैयार किया गया है। इसमें कई व्यवस्थित समीक्षाओं और मेटा-विश्लेषणों के निष्कर्षों को लगातार अपडेट करने



वाली 'लिविंग अम्ब्रेला रिव्यू' पद्धति का इस्तेमाल किया गया है। मंच पर दवाओं और अन्य उपचारों की प्रभावशीलता, सुरक्षा और उपलब्ध प्रमाणों की गुणवत्ता को देखा जा सकता है। इसकी खास बात यह है कि उपयोगकर्ता उम्र, बीमारी की अवस्था, उपचार और परिणाम जैसे मानकों के आधार पर

जानकारी छांट सकता है। सुरक्षा से जुड़ी अलग-अलग चिंताओं को महत्व देने पर मंच दवाओं की तुलना करने में भी मदद करता है। हालांकि इसे देखकर मरीज खुद दवा या उसकी मात्रा तय नहीं कर सकते। बाइपोलर डिसऑर्डर की दवाओं में खुराक, दूसरी दवाओं के साथ संभावित प्रभाव और मरीज की व्यक्तिगत स्थिति जैसे कई पहलू महत्वपूर्ण होते हैं। यानी यह मंच डॉक्टर का विकल्प नहीं, बल्कि बेहतर चिकित्सकीय निर्णय के लिए शोध आधारित सहायक साधन है।

सबसे बड़ा फायदा यह हो सकता है कि तेजी से बदल रहे चिकित्सा शोध को एक जगह लगातार अपडेट करके रखा जाए, जिससे उपचार संबंधी फैसले अधिक प्रमाण-आधारित हो सकें।

हर महीने बदल रहा है पीरियड्स का समय? शरीर के इन संकेतों को नजरअंदाज न करें



रंजीत टाइम्स

info@ranjeettimes.com

कभी पीरियड्स समय से पहले आना और कभी कई दिनों तक नहीं आना-अगर यह बार-बार हो रहा है तो इसे केवल सामान्य देरी मानकर नजरअंदाज करना ठीक नहीं। मासिक धर्म में बदलाव के पीछे जीवनशैली से लेकर हार्मोन से जुड़ी कई वजहें हो सकती हैं। तनाव, नींद की कमी, अचानक वजन बढ़ना या कम होना, बहुत अधिक व्यायाम और खान-पान में बदलाव पीरियड्स के चक्र को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ महिलाओं में पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) जैसी हार्मोन संबंधी समस्या भी अनियमित पीरियड्स का कारण बन सकती है। थायरॉयड में गड़बड़ी, प्रोलैक्टिन हार्मोन का बढ़ना और कुछ दवाओं का असर भी मासिक चक्र को प्रभावित कर सकता है।

गर्भावस्था की संभावना होने पर पीरियड्स में देरी का यह एक महत्वपूर्ण कारण हो सकता है। वहीं, किशोरावस्था और रजोनिवृत्ति के आसपास हार्मोनल बदलावों के कारण भी चक्र अनियमित हो सकता है। अगर पीरियड्स लगातार अनियमित हो रहे हैं, कई महीनों तक नहीं आते, बहुत ज्यादा रक्तस्राव होता है, अत्यधिक दर्द रहता है या साथ में वजन और शरीर में अन्य बदलाव दिखाई दे रहे हैं, तो स्त्री रोग विशेषज्ञ से सलाह लेना जरूरी है। हर अनियमित पीरियड बीमारी नहीं होता, लेकिन बार-बार होने वाला बदलाव शरीर का संकेत जरूर हो सकता है।

जिम ही नहीं, थाली भी बनाती है मजबूत मांसपेशियां! रोज के खाने में शामिल करें ये चीजें

रंजीत टाइम्स

info@ranjeettimes.com

मांसपेशियों को मजबूत रखने के लिए सिर्फ व्यायाम करना पर्याप्त नहीं है। शरीर को पर्याप्त प्रोटीन, ऊर्जा, विटामिन और खनिज भी चाहिए। उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियों की ताकत कम हो सकती है, इसलिए रोज के भोजन पर ध्यान देना

लिए उपयोगी है। अगर कोई व्यक्ति अंडा खाता है तो अंडा उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन का अच्छा विकल्प है। मांसाहारी लोगों के लिए मछली, चिकन और अन्य कम वसा वाले स्रोत भी उपयोगी हो सकते हैं।

मेवे और बीज जैसे बादाम, अखरोट, मूंगफली, कद्दू के बीज और अलसी से प्रोटीन के साथ स्वस्थ वसा मिलती है। इसके अलावा हरी सब्जियां, फल और साबुत अनाज शरीर को जरूरी सूक्ष्म पोषक तत्व और ऊर्जा प्रदान करते हैं। लेकिन केवल प्रोटीन बढ़ा देना ही पर्याप्त नहीं है। मांसपेशियों को मजबूत रखने के लिए नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और संतुलित भोजन भी जरूरी है। जरूरत से ज्यादा प्रोटीन या बिना विशेषज्ञ की सलाह के सप्लीमेंट लेना हर व्यक्ति के लिए सही नहीं होता। मजबूत शरीर की शुरुआत महंगे उत्पादों से नहीं, संतुलित थाली से होती है।

मूंग या मसूर नहीं, प्रोटीन के मामले में ये दाल है नंबर-1, कहीं आप तो नहीं करते इसे नापसंद?

रंजीत टाइम्स

info@ranjeettimes.com

नई दिल्ली। घर के सादे भोजन से लेकर दावतों तक, दाल हमारे खाने का एक बेहद अहम हिस्सा होती है। जो लोग वेजिटेरियन हैं, उनके लिए यह प्लांट-बेस्ड प्रोटीन का सबसे बड़ा स्रोत है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आपकी कटोरी में मौजूद दाल आपको असल में कितना प्रोटीन दे रही है? आइए जानते हैं कि कौन-सी दाल प्रोटीन के मामले में सबसे आगे है और इसका पूरा फायदा उठाने का वैज्ञानिक तरीका क्या है। भले ही किसी दाल में कितना भी ज्यादा प्रोटीन क्यों न हो, कोई भी दाल अकेले अपने आप में कम्प्लीट प्रोटीन नहीं होती। बता दें, प्रोटीन छोटे-छोटे कणों से बनता है जिन्हें 'अमीनो एसिड' कहते हैं। दालों में एक तरह का अमीनो एसिड बहुत होता है, लेकिन दूसरे तरह का कम होता है। वहीं, चावल और गेहूं में जो अमीनो एसिड होता है, वो दाल में कम होता है।



बेहद जरूरी है। दालें और फलियां सस्ता और अच्छा प्रोटीन स्रोत हैं। मूंग, मसूर, चना, राजमा और सोयाबीन को भोजन में शामिल किया जा सकता है। दूध, दही और पनीर भी प्रोटीन के साथ कैल्शियम देते हैं, जो हड्डियों और मांसपेशियों के

बीमारी एक, बिल का खेल अलग! निजी अस्पताल में इलाज सरकारी से 8 गुना महंगा

रंजीत टाइम्स

info@ranjeettimes.com

इलाज की जरूरत पड़ते ही आम आदमी के सामने बीमारी के साथ एक और बड़ा संकट खड़ा हो रहा है—इलाज का खर्च। नेशनल सैंपल सर्वे के 80वें दौर के आंकड़ों के आधार पर लोकलसर्किल्स की रिपोर्ट में सरकारी और निजी अस्पतालों के खर्च में बड़ा अंतर सामने आया है। आंकड़ों के मुताबिक, सरकारी अस्पताल में इलाज पर औसतन 6,631 रुपये खर्च हो रहे हैं, जबकि निजी अस्पताल में यही खर्च बढ़कर 50,508 रुपये तक पहुंच रहा है।

यानी निजी अस्पताल में इलाज का औसत खर्च सरकारी अस्पताल की तुलना में करीब 7.6 गुना, यानी लगभग आठ गुना अधिक है। यह अंतर केवल आंकड़ा नहीं है। एक सामान्य परिवार के लिए 6,631 रुपये और 50,508 रुपये के बीच का फर्क उसकी कई महीनों की बचत पर भारी पड़ सकता है। गंभीर बीमारी, ऑपरेशन या लंबे इलाज की स्थिति में निजी अस्पताल का खर्च और तेजी से बढ़ सकता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब निजी इलाज इतना महंगा है तो आम परिवार आखिर जाए कहां? सरकारी अस्पतालों पर मरीजों का दबाव लगातार बढ़ता है।

प्यास लगे तभी पानी पीना काफी है? जानिए दिनभर में शरीर को कितने पानी की जरूरत

रंजीत टाइम्स

info@ranjeettimes.com

पानी की कमी शरीर पर चुपचाप असर डाल सकती है। थकान, सिरदर्द, चक्कर, मुंह सूखना और पेशाब का रंग गहरा होना शरीर में पानी की कमी के संकेत हो सकते हैं। लेकिन सवाल यह है कि आखिर एक स्वस्थ व्यक्ति को रोज कितना पानी पीना चाहिए? हर व्यक्ति के लिए पानी की एक तय मात्रा नहीं होती। उम्र, शरीर का आकार, मौसम, शारीरिक मेहनत, व्यायाम और खान-पान के अनुसार जरूरत बदलती है। सामान्य तौर पर स्वस्थ वयस्कों के लिए दिनभर में कुल पानी की

जरूरत करीब 2 से 3 लीटर या उससे अधिक हो सकती है, जिसमें सिर्फ सादा पानी ही नहीं, बल्कि भोजन और अन्य पेय पदार्थों से मिलने वाला पानी भी शामिल होता है। गर्मी, तेज व्यायाम या अधिक पसीना आने की स्थिति में शरीर को अतिरिक्त तरल की जरूरत पड़ सकती है। ऐसे समय केवल प्यास का इंतजार करना पर्याप्त नहीं हो सकता।

पानी थोड़ी-थोड़ी मात्रा में नियमित रूप से पीना बेहतर रहता है। हालांकि जरूरत से बहुत ज्यादा पानी पीना भी सही नहीं है। अत्यधिक पानी पीने से शरीर में सोडियम का स्तर खतरनाक रूप से कम हो सकता है।

बाजार से डरकर सिर्फ 5 दिन बाहर रहे तो सालों की कमाई गंवा सकते हैं! निफ्टी के 21 साल का आंकड़ा दे रहा बड़ा सबक

रणजीत टाइम्स

info@ranjeettimes.com

शेयर बाजार में गिरावट देखकर निवेश निकाल लेना आसान लगता है, लेकिन इतिहास बताता है कि यही फैसला लंबे समय में भारी पड़ सकता है। अप्रैल 2005



से मई 2026 तक के 21 वर्षों के आंकड़ों पर आधारित अबैकस म्यूचुअल फंड के विश्लेषण में सामने आया है कि बाजार के सबसे तेज बढ़त वाले कुछ दिनों से चूकना निवेश के अंतिम रिटर्न पर बड़ा असर डाल सकता है। निफ्टी 50 जैसे प्रमुख सूचकांक में बड़ी तेजी कई बार

अचानक आती है। ऐसे में गिरावट के डर से निवेशक अगर बाजार से बाहर हो जाता है और तेजी के कुछ महत्वपूर्ण दिन निकल जाते हैं, तो दोबारा सही समय पर निवेश करना मुश्किल हो सकता है। यही वजह है कि बाजार में लगातार निवेश बनाए रखने की रणनीति को समय का अनुमान लगाकर बार-बार खरीद-बिक्री करने से बेहतर माना जाता है।

हालांकि इसका मतलब यह नहीं कि शेयर बाजार में हर समय पैसा लगाए रखना या हर गिरावट में आंख बंद करके खरीदारी करना सही है। बाजार में जोखिम बना रहता है और पिछले प्रदर्शन से भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं मिलती।

असल चुनौती निवेशक के व्यवहार की है। गिरावट में डरकर बाहर निकलना और तेजी के बाद वापस प्रवेश करना अक्सर रिटर्न को प्रभावित कर सकता है। बाजार का सबसे बड़ा नुकसान हमेशा गिरावट नहीं होती—कई बार असली नुकसान उन तेजी वाले दिनों में बाजार से बाहर रह जाने से होता है।

सरकारी दफ्तरों की कतार से मोबाइल स्क्रीन तक पहुंची सरकार, उमंग ने 3 साल में छुआ 798 करोड़ लेनदेन का आंकड़ा

रणजीत टाइम्स

info@ranjeettimes.com

सरकारी काम के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने और घंटों कतार में खड़े रहने का दौर धीरे-धीरे बदल रहा है। केंद्र सरकार के डिजिटल मंच उमंग ने पिछले तीन वर्षों में उपयोग के मामले में बड़ा आंकड़ा दर्ज किया है।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, उमंग पर 11.66 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता पंजीकृत हुए और इस अवधि में करीब 798 करोड़ लेनदेन किए गए। 31 जुलाई 2026 तक उमंग पर केंद्र और राज्य सरकारों की मिलाकर करीब 2,575 सेवाएं उपलब्ध थीं। इनमें केंद्र सरकार की 880 और राज्य सरकारों की 1,695 सेवाएं शामिल हैं। यानी एक ही डिजिटल मंच पर अलग-अलग विभागों की सेवाओं तक पहुंच

बनाने की कोशिश अब बड़े पैमाने पर दिखाई दे रही है।

लेकिन इस डिजिटल बदलाव की असली परीक्षा केवल आंकड़ों में नहीं है। सवाल यह भी है कि ग्रामीण और दूरदराज के लोगों को इन सेवाओं का कितना फायदा मिल रहा है। सरकार के मुताबिक 30 जून 2026 तक ग्राम पंचायत स्तर पर 4,07,122 सामान्य सेवा केंद्र काम कर रहे थे, जिनमें 70,069 केंद्र महिला ग्राम स्तरीय उद्यमियों द्वारा संचालित किए जा रहे थे। उमंग को आधार, ई-हस्ताक्षर और अन्य डिजिटल ढांचों से जोड़ा गया है, जिससे कागजरहित सेवाओं को बढ़ावा मिला है। 798 करोड़ लेनदेन सरकार के डिजिटल बदलाव की बड़ी तस्वीर जरूर दिखाते हैं, लेकिन असली सफलता तब मानी जाएगी जब डिजिटल सुविधा हर नागरिक तक बिना तकनीकी परेशानी पहुंचे।

हनुमान जी और ऊंट का क्या है संबंध? जानिए उस दुर्लभ लोकपरंपरा की कहानी, जिसे मुख्यधारा के ग्रंथों में नहीं मिलता स्थान

रणजीत टाइम्स

info@ranjeettimes.com

हनुमान जी का नाम लेते ही हमारे सामने एक ऐसे भक्त और योद्धा की छवि उभरती है, जिन्होंने भगवान श्रीराम के प्रति अपनी निष्ठा और अद्भुत पराक्रम से रामकथा में विशेष स्थान बनाया। वे रामदूत हैं, संकटमोचन हैं और भारतीय धार्मिक परंपरा में शक्ति, साहस तथा भक्ति के प्रतीक माने जाते हैं। लेकिन हनुमान जी से जुड़ी कुछ ऐसी क्षेत्रीय मान्यताएं और लोककथाएं भी हैं, जिनके बारे में बहुत कम चर्चा होती है। इन्हीं में हनुमान जी और ऊंट के संबंध से जुड़ी एक लोकपरंपरा का उल्लेख मिलता है। हालांकि यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ऊंट को हनुमान जी का पारंपरिक वाहन मानने का प्रमाण प्रमुख रामायण ग्रंथों में नहीं मिलता। वाल्मीकि रामायण और हनुमान जी से संबंधित प्रमुख धार्मिक साहित्य में उनका स्वरूप मुख्यतः वानरवीर, रामभक्त और वायुपुत्र के रूप में सामने आता है।

फिर ऊंट से उनका संबंध कहां से जुड़ा?— इसका उत्तर क्षेत्रीय लोकविश्वासों और स्थानीय धार्मिक परंपराओं में तलाशना होगा। भारत की धार्मिक संस्कृति केवल ग्रंथों तक सीमित नहीं रही। अलग-अलग क्षेत्रों में देवी-देवताओं से जुड़ी अनेक स्थानीय कथाएं, प्रतीक और पूजा-पद्धतियां विकसित हुईं।

सड़क पर बड़ी बैटरी वाली गाड़ियां, चार्जिंग का जाल भी फैला—67,657 चार्जर तैयार

रणजीत टाइम्स

info@ranjeettimes.com

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की रफ्तार बढ़ने के साथ अब सबसे बड़ी चिंता मानी जाने वाली चार्जिंग सुविधा भी तेजी से विस्तार ले रही है। केंद्र सरकार के ताजा आंकड़ों के मुताबिक 7 अगस्त 2026 तक देशभर में 67,657 इलेक्ट्रिक वाहन चार्जर स्थापित हो चुके हैं। इनमें 1,139 बैटरी बदलने वाले केंद्रों से जुड़े चार्जर भी शामिल हैं।

चार्जिंग ढांचे के विस्तार का असर इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने पर भी दिखाई दे रहा है। सरकार के अनुसार जून 2026 तक केवल फेम-द्वितीय योजना के तहत 16.72 लाख इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री के स्तर तक पहुंचे। इसके अलावा विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से इलेक्ट्रिक बसों और अन्य वाहनों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों और उनके चार्जर पर वस्तु एवं सेवा कर को 5 प्रतिशत तक



सीमित करने जैसे कदम भी उठाए हैं। इससे इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने और चार्जिंग ढांचा तैयार करने को प्रोत्साहन मिला है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। जुलाई में सरकारी आंकड़ों में 52,718 सार्वजनिक चार्जिंग केंद्र दर्ज थे, जिनमें

16,561 कारों के तेज चार्जर से लैस थे। यानी केवल संख्या बढ़ना पर्याप्त नहीं; चार्जर की क्षमता, उपलब्धता और सही स्थान भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। ईवी का भविष्य अब सिर्फ गाड़ी बेचने से नहीं, बल्कि रास्ते में भरोसेमंद चार्जिंग मिलने से तय होगा।

अंबानी के वित्तीय साम्राज्य में अमेरिका की बड़ी एंट्री! 18,268 करोड़ लगाएगा बैंक ऑफ अमेरिका

रणजीत टाइम्स

info@ranjeettimes.com

मुकेश अंबानी के वित्तीय कारोबार में अमेरिकी बैंकिंग दिग्गज बैंक ऑफ अमेरिका की बड़ी एंट्री होने जा रही है। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और बैंक ऑफ अमेरिका ने जियो क्रेडिट लिमिटेड में संयुक्त उपक्रम बनाने के लिए समझौता किया है। समझौते के तहत बैंक ऑफ अमेरिका जियो क्रेडिट में 49.9 प्रतिशत तक हिस्सेदारी हासिल कर सकता



है। इस निवेश की कुल संभावित राशि करीब 18,268 करोड़ रुपये है। हालांकि शुरुआत में बैंक ऑफ अमेरिका को जियो क्रेडिट में करीब 26.5 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलेगी। इसके बाद वारंट के इस्तेमाल के जरिए हिस्सेदारी बढ़ाकर 49.9 प्रतिशत तक की जा सकती है।

जियो क्रेडिट, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की पूर्ण स्वामित्व वाली

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है। जून 2026 तक इसके प्रबंधन के तहत संपत्तियां करीब 30,667 करोड़ रुपये थीं। एक साल पहले यह आंकड़ा 11,665 करोड़ रुपये था, यानी इसमें करीब 163 प्रतिशत की तेज वृद्धि दर्ज हुई। यह सौदा सिर्फ पूंजी जुटाने की कवायद नहीं माना जा रहा। जियो की भारत में डिजिटल पहुंच और बैंक ऑफ अमेरिका की वैश्विक वित्तीय विशेषज्ञता के मेल से कर्ज और अन्य वित्तीय सेवाओं का कारोबार तेजी से बढ़ाने की कोशिश होगी।

बुमराह-सुदर्शन की चोट से बढ़ी चिंता कपिल देव बोले-

तेज गेंदबाजों का वर्कलोड तय करे BCCI



नई दिल्ली। भारतीय खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने से कुछ सवाल खड़े हुए हैं। शनिवार से शुरू होने वाली श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भारत को अपने नियमित खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह, साई सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर की कमी खलेगी। जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन दोनों को टीम में शामिल किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें इस अहम दो-टेस्ट मैचों की सीरीज से हटा दिया गया।

हालांकि, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बताया था कि उनका खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा, लेकिन उनके लंबे समय तक बाहर रहने से यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में सही प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।

पहले जेआईटीओ प्रीमियर लीग के लॉन्च इवेंट में कपिल देव ने कहा, घरेलू क्रिकेट खेलना बहुत जरूरी है। इंसान को अपने शरीर के बारे में पता होना चाहिए। आजकल बहुत ज्यादा टी20 क्रिकेट हो रहा है, इसलिए आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि इसका शरीर पर क्या असर पड़ता है।

कपिल देव ने कहा, “असल में, हमारा शरीर तेज गेंदबाज



बनने के लिए नहीं बना है। हमारा शरीर ज्यादातर बल्लेबाज बनने के लिए बना है। बीसीसीआई को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि एक तेज गेंदबाज पर कितना वर्कलोड डाला जा सकता है।” जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन के अलावा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी को लेकर भी चिंताएं बढ़ रही हैं। नितीश कुमार रेड्डी लगातार चोटों से जूझ रहे हैं। आईपीएल के दौरान उन्हें क्वाड्रिसेप्स की चोट लग गई। हालिया समय में घरेलू मैदानों पर न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के हाथों बुरी तरह हारने के बाद स्पिन के खिलाफ भारत के खेल पर सवाल उठ रहे हैं।

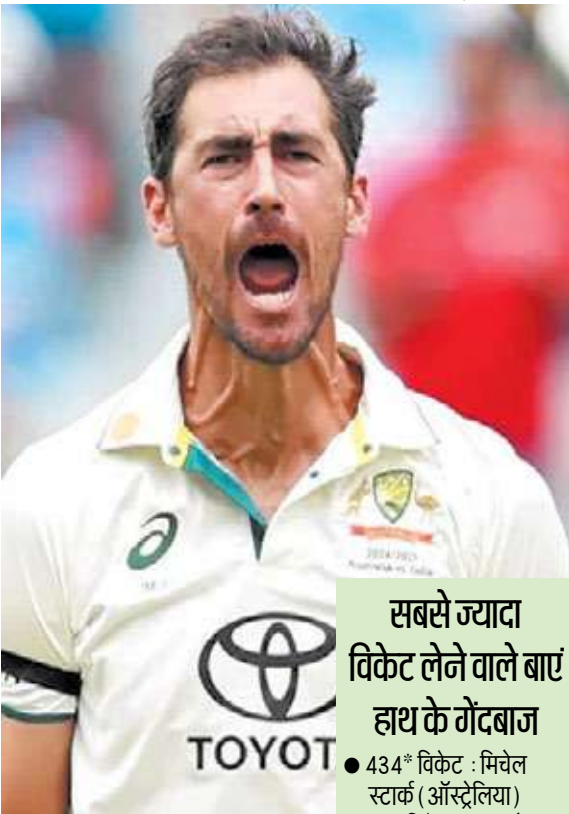
कपिल देव ने कहा, “भारतीय टीमों को स्पिन के खिलाफ संघर्ष इसलिए करना पड़ता है, क्योंकि शीर्ष खिलाड़ी पर्याप्त घरेलू क्रिकेट नहीं खेलते हैं। यहीं पर बीसीसीआई को सख्ती दिखानी चाहिए और सभी के लिए मल्टी-डे मैच खेलना अनिवार्य करना चाहिए। इसका एक और पहलू यह है कि युवा पीढ़ी को शीर्ष खिलाड़ियों से सीखने का मौका मिलेगा।” कपिल देव ने कहा, “हाल के समय में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ भारत का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा है।

स्टार्क एक विकेट लेकर बने नंबर 1

श्रीलंकाई दिग्गज पीछे, कपिल देव की बराबरी
बांग्लादेश पहले दिन के बाद मजबूत

ऑस्ट्रेलिया 198 पर ढेर

बांग्लादेश के खिलाफ बनाया सबसे कम टेस्ट स्कोर, हसन महमूद ने रचा इतिहास



नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच डार्विन में खेले जा रहे पहले टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म हो चुका है। बांग्लादेश की टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 198 रन पर समेटने के बाद दिन के अंत तक 24 ओवर में 1 विकेट पर 96 रन बना लिए हैं। फिलहाल बांग्लादेश की टीम मजबूत स्थिति में नजर आ रही है और ऑस्ट्रेलिया के स्कोर से 102 रन पीछे है और 9 विकेट बाकी हैं। मोमिनुल हक 35 और तंजिद हसन तमीम 32 रन पर नाबाद हैं। बांग्लादेश का एकमात्र विकेट मिचेल स्टार्क ने लिया और खास रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। मिचेल स्टार्क ने शादमान इस्लाम को 20 रन पर आउट करते हुए बांग्लादेश को 36 रन पर पहला झटका दिया था। यह उनके करियर का 434वां टेस्ट विकेट भी था।

सबसे ज्यादा
विकेट लेने वाले बाएं
हाथ के गेंदबाज

- 434* विकेट : मिचेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया)
- 433 विकेट : रंगना हेराथ (श्रीलंका)
- 414 विकेट : वसीम अकरम (पाकिस्तान)
- 362 विकेट : डैनियल विटोरी (न्यूजीलैंड)
- 355 विकेट : चामिंडा वास (श्रीलंका)
- 348 विकेट : रविंद्र जडेजा (भारत)

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का आगाज हो चुका है। पहला टेस्ट मैच डार्विन में खेला जा रहा है। मुकाबले के पहले दिन ही मेजबान कांगारू टीम बांग्लादेशी गेंदबाजों के सामने 198 रन पर ही ढेर हो गई। ऑस्ट्रेलिया की टीम पूरे दिन भी नहीं टिक पाई और सिर्फ 53 ओवर बल्लेबाजी की। टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया का बांग्लादेश के खिलाफ यह सबसे कम स्कोर भी था। बांग्लादेश के लिए हसन महमूद ने 17 ओवर में 3 मेडन के साथ 55 रन देकर 6 विकेट लिए।

वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में एक पारी में छह विकेट लेने वाले पहले बांग्लादेशी गेंदबाज बने। वहीं बांग्लादेश के लिए वह ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पंजा हासिल करने वाले भी पहले गेंदबाज बन गए हैं।

इसके अलावा बांग्लादेश के लिए टेस्ट में किसी तेज गेंदबाज के सबसे ज्यादा फाइव विकेट हॉल के मामले में



वह दूसरे पर आ गए हैं। उनका टेस्ट में यह तीसरा फाइव विकेट हॉल है और

तीनों बार उन्होंने यह बांग्लादेश से बाहर किया है। हसन महमूद ने इतिहास

रचते हुए कई रिकॉर्ड किए अपने नाम किए हैं।

स्टीव स्मिथ ने की लारा और वॉ की बराबरी

गावस्कर और लक्ष्मण से भी आगे, टेस्ट क्रिकेट में 82वीं बार किया यह कमाल

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के पहले टेस्ट में अपने टेस्ट करियर का 82वां फिफ्टी प्लस स्कोर बनाया।

इसी के साथ उन्होंने दिग्गज ब्रायन लारा और स्टीव वॉ की बराबरी भी की। डार्विन में खेले जा रहे सीरीज के पहले टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी लड़खड़ा गई। स्टीव स्मिथ ने एक छोर संभालते हुए अर्धशतकीय पारी खेली। स्टीव स्मिथ के टेस्ट करियर का यह 124वां मुकाबला



है, उन्होंने अपनी 221वीं पारी में 45वां अर्धशतक लगाया। वहीं यह 82वां फिफ्टी प्लस स्कोर भी रहा। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस स्कोर बनाने वाले संयुक्त रूप से तीसरे खिलाड़ी बने हैं। स्मिथ ने इस मामले में स्टीव वॉ की बराबरी की है। वहीं ओवरऑल रिकॉर्ड में वह लारा के बराबर पहुंचे हैं।

गावस्कर और लक्ष्मण से भी आगे स्मिथ

टेस्ट क्रिकेट में फिफ्टी प्लस स्कोर बनाने के मामले में स्टीव स्मिथ सुनील गावस्कर और वीवीएस लक्ष्मण से भी आगे हैं। सुनील गावस्कर के नाम 79 (34 शतक और 45 अर्धशतक) फिफ्टी प्लस स्कोर दर्ज हैं। जबकि वीवीएस लक्ष्मण ने 73 (56 अर्धशतक और 17 शतक) फिफ्टी प्लस स्कोर अपने करियर में बनाए।

अमित शाह ने 'ग्रामीण ज्ञान सेतु' ऐप किया लॉन्च

रणजीत टाइम्स

info@ranjeettimes.com

गांधीनगर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र की ग्रामीण लाइब्रेरियों को आपस में जोड़ने वाले 'ग्रामीण ज्ञान सेतु' ऐप का शुभारंभ किया।

राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस के अवसर पर शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य गांवों के बच्चों और युवाओं को स्थानीय स्तर पर पुस्तकों और ज्ञान के बड़े संसाधन उपलब्ध कराना है। अभी तक इस नेटवर्क से 752 पुस्तकालय जुड़ चुके हैं। इसके अलावा करीब 2.80 लाख पुस्तकों के संग्रह वाले चार बड़े पुस्तकालयों को ग्रामीण पुस्तकालयों से जोड़ा गया है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के पाठकों को अलग-अलग पुस्तकालयों में उपलब्ध पुस्तकों की जानकारी और



व्यापक पठन सामग्री तक पहुंच आसान होने की उम्मीद है। शाह ने कहा कि बचपन से किशोरावस्था और फिर युवा से जिम्मेदार नागरिक बनने की यात्रा में

पुस्तकालयों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने अपने अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि माणसा के महात्मा गांधी पुस्तकालय से उन्हें वर्षों तक विभिन्न विषयों का ज्ञान हासिल करने में मदद मिली। बाद में गुजरात विद्यापीठ के पुस्तकालय ने भी उनके अध्ययन को विस्तार दिया। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करने की अपील की। शाह के अनुसार, योग्य ग्रंथपाल यदि बच्चों को सही पुस्तकों और विषयों के बारे में मार्गदर्शन दें तो पुस्तकालय केवल किताबें रखने की जगह नहीं, बल्कि सक्षम और जिम्मेदार नागरिक तैयार करने का माध्यम बन सकते हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भी इस पहल को गांवों तक ज्ञान पहुंचाने और तकनीक को शिक्षा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

चार मुलाकातें, बढ़ते संकेत और महाराष्ट्र में सियासी हलचल!

रणजीत टाइम्स

info@ranjeettimes.com

महाराष्ट्र की राजनीति में इस समय सबसे ज्यादा चर्चा किसी बयान की नहीं, बल्कि मुलाकातों और बदलते संकेतों की है। शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सांसदों की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लगातार मुलाकातों ने राजनीतिक अटकलों को हवा दे दी है। 10 अगस्त को सुप्रिया सुले के नेतृत्व में पार्टी के सभी आठ लोकसभा सांसदों ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की। पार्टी सूत्रों के मुताबिक यह करीब 25 दिनों में प्रधानमंत्री के साथ चौथी मुलाकात थी।

इसके बाद सवाल उठने लगा कि क्या यह केवल संसदीय मुद्दों पर



बातचीत है या महाराष्ट्र के लिए कोई बड़ा राजनीतिक संदेश भी छिपा है। खासकर तब, जब शरद पवार गुट की अगली रणनीति को लेकर खुद रोहित पवार ने भी अनिश्चितता जताई है। उन्होंने कहा है कि पार्टी का अगला कदम देखने के बाद ही तस्वीर साफ होगी। दूसरी ओर भाजपा नेतृत्व भी फिलहाल बेहद सावधानी से कदम बढ़ाता दिखाई दे रहा है।

छात्रों की छात्रवृत्ति पर बड़ा फैसला, प्रह्लाद जोशी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ की समीक्षा



रणजीत टाइम्स

info@ranjeettimes.com

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राष्ट्रीय साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति योजना को लेकर मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में योजना को वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने के प्रस्ताव पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शिक्षा जारी रखने में मदद देने वाली इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा करना रहा। अधिकारियों के साथ योजना के विभिन्न पहलुओं और विद्यार्थियों को मिलने वाली सहायता को निरंतर बनाए रखने पर विचार किया गया। राष्ट्रीय साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति योजना का

उद्देश्य आर्थिक कठिनाइयों के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई बीच में छूटने की संभावना को कम करना है। ऐसे विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता देकर माध्यमिक स्तर की शिक्षा जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

शिक्षा मंत्रालय अब 2026-27 से आगे की अवधि के लिए योजना को जारी रखने के प्रस्ताव पर आगे की प्रक्रिया तय करेगा। सरकार के सामने चुनौती यह भी रहेगी कि पात्र विद्यार्थियों तक छात्रवृत्ति समय पर पहुंचे और योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंद विद्यार्थियों को मिले। मंत्री की यह बैठक ऐसे समय हुई है जब केंद्र सरकार शिक्षा में समान अवसर और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों की निरंतरता पर जोर दे रही है।

लाल सागर में फिर बड़ा खतरा: हूतियों के निशाने पर सऊदी तेल कारोबार, जहाजों की निगरानी बंद

रणजीत टाइम्स

info@ranjeettimes.com

यमन के हूती विद्रोहियों की धमकी के बाद सऊदी टैंकरों ने बदला रास्ता, कई जहाजों ने पहचान प्रणाली बंद की; वैश्विक तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार पर बड़ा दबाव

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर लाल सागर और बाब-अल-मंदेब समुद्री मार्ग तक पहुंचता दिखाई दे रहा है। यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब से जुड़े समुद्री और तेल प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की धमकी के साथ हमले तेज किए हैं। 11 अगस्त को बाब-अल-मंदेब के पास एक मालवाहक जहाज पर हूती हमला हुआ, जिसमें कई चालक दल के सदस्यों की मौत की खबर है। हालिया घटनाक्रम का सबसे बड़ा असर सऊदी अरब के लाल सागर से होने वाले तेल निर्यात पर पड़ रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक कई सऊदी तेल टैंकरों ने अपनी स्वचालित पहचान प्रणाली बंद कर दी है, ताकि उनकी स्थिति सार्वजनिक रूप से ट्रैक न की जा सके। सऊदी अरब ने कुछ तेल खेपों को लाल सागर के रास्ते के बजाय वैकल्पिक मार्गों से भेजना भी शुरू किया है।

सऊदी तेल ठिकाने भी निशाने पर-9 अगस्त को हूतियों



ने सऊदी अरब के जजान स्थित अरामको तेल प्रतिष्ठान पर ड्रोन हमला करने का दावा किया था। सऊदी पक्ष ने प्रतिष्ठान में लगी आग को नियंत्रित किए जाने की जानकारी दी थी। इसके अलावा लाल सागर के यानबू बंदरगाह को लेकर भी हमलों की खबरें सामने आई हैं। 20 जुलाई से हूतियों की ओर से सऊदी अरब के खिलाफ समुद्री प्रतिबंध की घोषणा के बाद तनाव लगातार बढ़ा है। इसके चलते कई बड़े तेल टैंकर बाब-अल-मंदेब से गुजरने से बच रहे हैं। युद्ध जोखिम बीमा की लागत बढ़ने और जहाजों के मार्ग बदलने का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर पड़ सकता है।

क्या फिर बनेगा वैश्विक व्यापार संकट? लाल सागर यूरोप और एशिया के बीच समुद्री व्यापार का महत्वपूर्ण रास्ता है। यदि बाब-अल-मंदेब में खतरा लंबे समय तक बना रहता है तो जहाजों को अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप के रास्ते भेजना पड़ सकता है। इससे यात्रा का समय और ईंधन लागत दोनों बढ़ते हैं। मामला इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि पश्चिम एशिया में पहले से ही समुद्री मार्गों पर तनाव है। होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही भी हाल में काफी नीचे गई है। ऐसे में लाल सागर में नए हमले वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए दोहरी चुनौती

पैदा कर सकते हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि सऊदी जहाजों और तेल प्रतिष्ठानों पर बढ़ते हमले केवल यमन-सऊदी संघर्ष तक सीमित रहेंगे या लाल सागर एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार के लिए युद्ध क्षेत्र बन जाएगा? फिलहाल स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि तेल कंपनियां और जहाज संचालक अपने मार्ग, निगरानी व्यवस्था और बीमा रणनीति बदल रहे हैं। यदि हमलों का सिलसिला बढ़ा तो इसका असर केवल पश्चिम एशिया पर नहीं, बल्कि कच्चे तेल की कीमत, माल ढुलाई और एशिया-यूरोप व्यापार पर भी पड़ सकता है।